IN THE NAME OF GOD

VOL. 34, OCTOBER 2010
FOR FREE CIRCULATION WITHOUT ANY COMMERCIAL OBJECTIVE

उच्चश्रेणी के जीवन के लिए आवश्यक

अंतरध्वनि

The Inner Voice
Essential for purposeful living

चार कंधों की अन्तिम यात्रा से पहले ही

From Ordinary Life to Divine Life.

साधारण जीवन से दिव्य जीवन में कैसे आएँ?

हमारी ज़िन्दगी
संसारी wine से संस्कारी Divine में! **कैसे?**

हमारी ज़िन्दगी
Tension से Attention में! **कैसे?**

हमारी ज़िन्दगी
Realise से Real Eyes में? **कैसे?**

हमारी ज़िन्दगी
Costly से Valuable में? **कैसे?**

- Science of Living
- Science of Loving
- Science of Leaving

Mission Happiness®

मृत्यु से पहले ही मोक्ष®

Mission Consciousness®

धन-धर्म और कर्म

कलियुग में धन earn करने की होड़ लगी है। बेशक धन बहुत जरूरी है

और प्रभु प्राप्ति (आत्म जागृति + आत्म अनुभव) के लिए **धन सीढ़ी का काम कर सकता है।**

But, because of not application of Intelligence, **धन को कमाने के चक्कर में धर्म कुर्बान कर दिया जा रहा है।**

इसलिए ऐसा हो रहा है क्योंकि शरीर की आँखें तो खुली हैं, **परन्तु मन की आँखें (बुद्धि) ठीक दिशा में देख नहीं पा रही।**

English में एक कहावत है– Ill got is Ill spent.

आजकल mostly एक दूसरे को manipulate करने में लगे हैं। एक दूसरे से फायदा उठा लें। कुदरत के सिद्धान्त और power को नजरअंदाज करके।

धर्म है ही इसीलिए कि कर्म कैसे किया जाए ताकि पाप नहीं पुण्य प्राप्त हों।

धर्म के बिना–धन तो आ गया, जोड़ तोड़ करके **किन्तु शान्ति चली गई।**

क्योंकि मन में लोभ भरा पड़ा है। शान्ति और लोभ साथ–साथ नहीं रह सकते।

Manipulation - Negative Energy produce करती है।

Negative Energy दूसरों को देंगे, तो **Return** में **Negative Energy** ही आएगी।

धर्म क्या है? सभी को सुख मिले।

अधर्म क्या है? केवल मुझे फायदा मिले।

जब हम Metaphysical power (GOD) की न्याय करने की शक्ति को मान जाएंगे, तभी

धर्म के साथ धन कमाते हुए

मस्ती में आसानी से ज़िन्दगी जीने लगेंगे।

लोभ के जाते ही Love आने लगेगा,
so कर्म + धर्म = सुख + शान्ति।

ख़ुदा ने कहा

अपने ग़मों की यूँ नुमाइश न कर
अपने नसीब की यूँ आज़माइश न कर
जो तेरा हे, तेरे दर पर खुद आएगा,
हर रोज़ उसे पाने की ख्वाहिश न कर।

5 से बचपन में पहुंचें कैसे?

From Adulthood to childhood- Why and How?

"मस्ती के दिन तो बचपन के होते हैं, क्या करें, जो ज़िन्दगी कट गई, ठीक है, बाकी भी कट जाएगी।"
These kinds of remarks are often heard.

ज़िन्दगी जीनी थी, काटनी क्यों पड़ गई?

Only and only and only because of wrong mind set

Happiness - बाहर की चीज़ों में न होकर, **मन की** simplicity **और बुद्धी के सदुपयोग में है।**

अरे पचपन के हो गए तो क्या?

शरीर कमज़ोर हो रहा है न?

पर मन क्यों कमज़ोर हो?

बुद्धि रूपी जादू की key **परमेश्वर ने देकर भेजा था, इस संसार में।**

बुद्धी Decide करे कि मेरा आज का Aim क्या है?

To be happy - happy - cheerful - cheerful + peaceful + peaceful + peaceful

या most of the times tearful - tearful - tearful

बच्चों की तरह, **EGOLESS** होते जाएँ। अहंकार ने ही तो Adult बना दिया।

अपने से ही रूठे रूठे रहते हैं।

अहंकार रूपी आतंकवादी को भगाने के लिए central forces B.S.F., C.R.P.F. आदि की तरह–

प्रभु नाम, राम–राम, अल्लाह–अल्लाह, वाहेगुरू–वाहेगुरू जीसस–जीसस

ही एक मात्र उपाय है।

Complaints - शिकायत तो करनी ही नहीं है।

only and only सारा ध्यान अपने positive attitude पर।

गर्मी हो गई – कोई बात नहीं। हमारे कुढ़ने से गर्मी कम तो नहीं हो जाएगी। Accident हो गया– ठीक है– हमारे कर्मों का फल है– प्रभु प्रसाद समझ कर सहर्ष Accept कर लिया। **मन साफ – गल्तियां माफ।**

Then God भरपूर मदद करता है। बच्चों जैसे निर्मल जीवन जीने वालों की।

वक्त कहता है
मुझे गँवाना मत

दिल कहता है
मुझे लगाना मत

दोस्त कहता है
मुझे आज़माना मत

भगवान कहता है
मुझे भुलाना मत

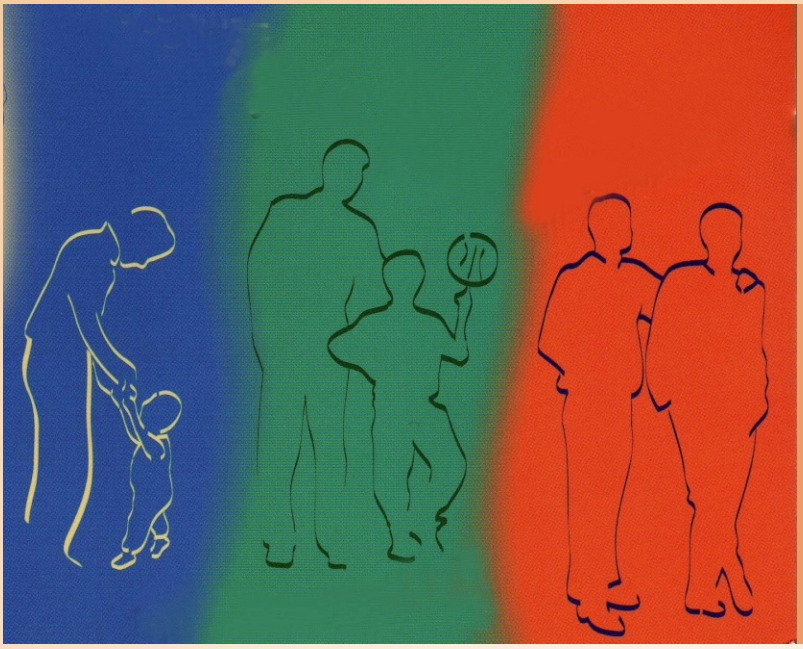

मैं और मेरे पिता

1st State of Mind

- जब मैं 3 वर्ष का था तब मैं सोचता था कि मेरे पिता दुनिया के सबसे मजबूत और ताकतवर व्यक्ति हैं।
- जब मैं 6 वर्ष का हुआ तब मैंने महसूस किया कि मेरे पिता दुनिया के सबसे ताकतवर ही नहीं सबसे समझदार व्यक्ति भी हैं।
- जब मैं 9 वर्ष का हुआ तब मैंने महसूस किया कि मेरे पिता को दुनिया की हर चीज का ज्ञान है।

2nd State of Mind

- जब मैं 12 वर्ष का हुआ तब मैं महसूस करने लगा कि मेरे मित्रों के पिता मेरे पिता के मुकाबले ज्यादा समझदार हैं।
- जब मैं 15 वर्ष का हुआ तब मैंने महसूस किया कि मेरे पिता को दुनिया में चलने के लिए कुछ और ज्ञान की जरूरत है।
- जब मैं 20 वर्ष का हुआ तब मुझे महसूस हुआ कि मेरे पिता किसी और ही दुनिया के हैं और वे हमारी सोच के साथ नहीं चल सकते।
- जब मैं 25 वर्ष का हुआ तब मैंने महसूस किया कि मुझे किसी भी काम के बारे में अपने पिता से सलाह नहीं करनी चाहिए क्योंकि उनमें हर काम में कमी निकालने की आदत सी पड़ गयी है।
- जब मैं 30 वर्ष का हुआ तब मैं महसूस करने लगा कि मेरे पिता को मेरी नकल करके कुछ समझ आ गई है।

3rd State of Mind

- जब मैं 35 वर्ष का हुआ तब मैं महसूस करने लगा कि **उनसे छोटी मोटी बातों के बारे में सलाह ली जा सकती है।**
- जब मैं 40 वर्ष का हुआ तब मैंने महसूस किया कि **कुछ जरूरी मामलों में भी पिताजी से सलाह ली जा सकती है।**
- जब मैं 50 वर्ष का हुआ तब मैंने फैसला किया कि **मुझे अपने पिता की सलाह के बिना कुछ भी नहीं करना चाहिए।**
- क्योंकि मुझे यह ज्ञान हो चुका था कि **मेरे पिता दुनिया के सबसे समझदार व्यक्ति हैं**

इससे पहले कि मैं अपने इस फैसले पर अमल कर पाता मेरे पिता जी संसार को अलविदा कह गए और मैं अपने पिता की हर सलाह और तजुर्बे से वंचित रह गया।

हमारी ज़िन्दगी - हमारी Choice

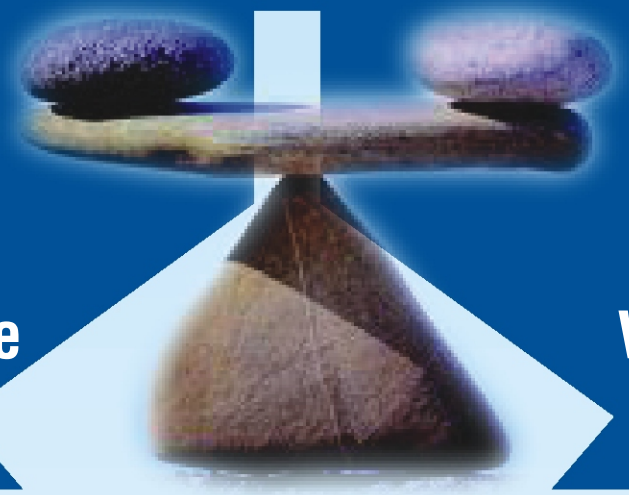

संस्कारी Divine Attitude	संसारी Wine Attitude
1. *Aim of Life - Peace + Happiness*	1. **Pressure in life** -क्योंकि धन कमाना **Life** का Aim.
2. देने में फायदा तभी सुखी **feel** करना।	2. लेने में फायदा तभी सुखी महसूस करना।
3. कर्म प्राणी के रूप में सबके साथ **loving behaviour**	3. छोटा–बड़ा मानकर मतलबी Behaviour.
4. अपने से भी प्यार, दूसरों से भी प्यार।	4. अपने और दूसरों से भी डरे हुए।
5. हर काम सहजता से, आनन्द सहित।	5. जल्दबाजी, दिखावा ज्यादा।
6. संसारी सुविधाओं का सदुपयोग **with thankfulness.**	6. संसारी वस्तुओं का बन्धन with Thanklessness.
7. **Difficulties, Diseases** से **lesson** लेना।	7. **Difficulties, Diseases** को **frustration** में झेलना।
8. जैसे अन्दर वैसे ही बाहर।	8. अन्दर से कुछ और – बाहर से कुछ और।
9. दूसरों को सहयोग देना व पाना **co-operation.**	9. दूसरों से **compete** करके **Tension** में रहना **competition.**
Result- 10. **Practically Successful, Peaceful + Happy.**	**Result-** 10. **"Divine life Practically** बहुत मुश्किल है", यह मानकर, मुश्किल में जीते रहना।

Choice is ours?

God से Align होकर मज़ा पाना है या संसार से Malign होकर सज़ा पाना है।

God Says

तू करता वो है, जो तू चाहता है,
पर होता वह है जो मैं चाहता हूँ।
तू वो कर जो मैं चाहता हूँ,
फिर वह होगा जो तू चाहता है।

Brain & Mind

अमूमन, Daily life में, Brain and Mind को differentiate ही नहीं किया जाता।

Brain एक physical organ है जोकि Primarily Head में स्थित होती है और neurons के through पूरी body में इसका network होता है।

Mind एक Metaphysical phenomenon है जो Body के प्रत्येक part, each cell में होती है।

Liver का Mind — Heart का Mind — **means consciousness of Liver and Heart**

Brain में Nerve cells होते हैं जो Blood के द्वारा oxygen मिलने से function करते हैं। (Electro magnetic transmission)

Mind में metaphysical Energy waves होती हैं जो कि feelings create and transmit करती हैं।

यदि Vibrations positive होती है तब organs healthy रहती है। Negative feelings, (lower consciousness) each part of body को harm करके, wear and tear बढ़ाती है और Aging process accelerate होती है।

Lower Mind Consciousness means - HIGHER EGO.

Higher (Mind), Consciousness means - LOWER EGO.

Brain की study and science को neurology कहते हैं Mind की study and science को psychology कहते हैं।

MIND की Health की Science को DIANETICS कहते हैं। (Emotional Intelligence)

Dianetics - America and Europe इत्यादि में बहुत Advanced है और Indian sub continent में Neglected.

For Example :

Doctor ने एक patient को examine करके medicine prescribe की **यह material Intelligence** है।

Patient और doctor के मध्य **कितना प्रेम, उत्साह, निष्ठा, oneness** थी,

उन लम्हों को कितना **enjoy** किया! **यह Emotional Intelligence** है।

Mind की Health के लिए Shakespeare ने भी कहा था,

Let us live our life to the full
by taking every opportunity that arise to
grow Spiritually, because

WE SHALL HAVE PLENTY OF TIME TO SLEEP, WHEN WE ARE DEAD.

Doctors और Patients से रिश्ता ?
कच्चा या सच्चा?

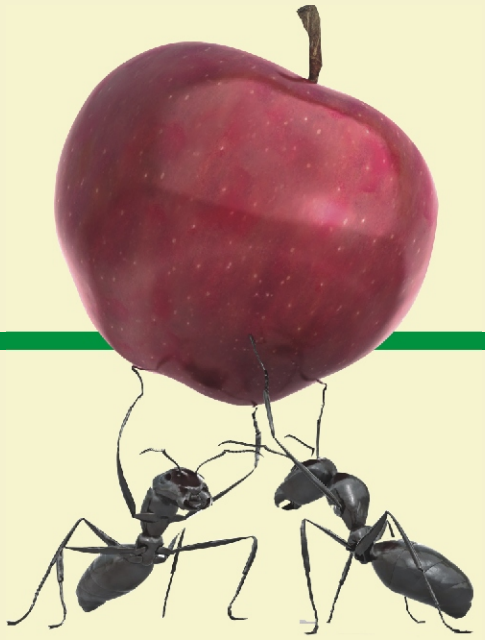

Doctors and Chemists के लिए patients ही उनकी सबसे Important wealth होते हैं।

...For patients

Mission Happiness के products, **In The Name of God** की शीतल छाया में prepared होने के कारण **powerful and pure** दोनों ही हैं, **How?** Taste में **बरकत**, dispersion में **बरकत** Price में **बरकत** - Difference अपने आप appear होने लगता है। **बरकत** (Plenty) की form में।

Thus Patients Illness में ईश्वर के निकट
और wellness में Doctors के निकट आने लगेंगे।

...For Doctors

अर्न्तध्वनि, Speaking tree, Life Positive,
Divine messages through catch covers, stickers, visual Divine Aid, के आदि through.
Doctors and Chemists के minds को **आत्मा (अन्दर) की ओर Shift करने से**

Doctors and Chemist अपने स्वयं के और निकट आते जा रहे हैं। Reason is very Easy to Understand-

हमारी असली property, Mind की purity होती है।

जो जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी काम आने वाली है।

Body भी कम important नहीं है but temporary है– किराये का मकान है।

जीव आत्मा अपना पक्का मकान है।

Then मन (Mind) रूपी हमारी personality को **कच्चे मकान का Gift दें, या पक्के मकान का?**

हमारा mind - हमारी soul की तरफ झुक गया तो, Body तो स्वतः ही सुखी रहने लगती है।

Doctors - Chemist **को** Really **क्या मिलना चाहिए**

Temporary और बाहर के – कच्चे Gift
या
Permanent और अन्दर की Spiritual Lift?

जितनी Godness बढ़ेगी, उतनी Goodness बढ़ती चली जाएगी।

जैसे Views वैसी ही News

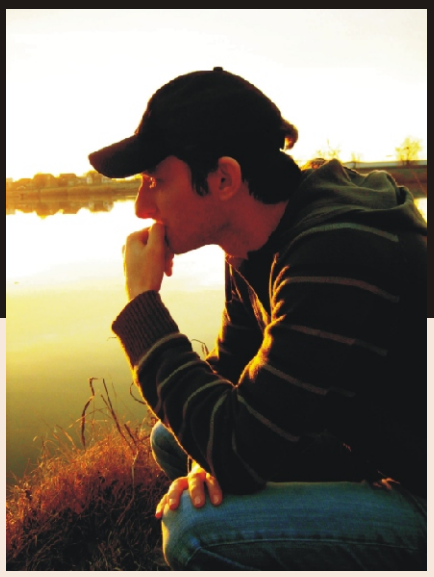

Dr. Wayne W. Dyer ने New York Times की Best Selling Book - **'The Power of Intention'**, में बहुत सच लिखा है कि–

How you can create your own world your way?

आप अपनी ज़िन्दगी, जैसी चाहें बना सकते हैं।

हम कलियुग में रहने के कारण, Negative ज़्यादा से ज़्यादा होते चले जा रहे हैं।

शक ज़्यादा करते हैं- विश्वास कम- इसलिए Return में हमें भी शक ज़्यादा मिलता है विश्वास कम।

Husband-wife हों या Father-son, या Friend-Friend, Differences and Distances इसीलिए बढ़ते चले जा रहे हैं। Negative and Positive Energies की अलग–अलग frequencies होती हैं।

हम Negative thoughts release करेंगे तो Universe से Negative repercussions ही आते हैं।

यह Law of Attraction है।

यह जानकारी ज़्यादातर लोग रखते हैं परन्तु आदतन, **इस Law को भूल कर, हम बीमारियाँ, दुर्घटनाएं इत्यादि, Invite करने लगते हैं।**

अमीर लोग, अपने घर के बाहर watchman रखते हैं। वाजिब को अन्दर आने दिया जाता है, हर किसी को नहीं। **हमारी Intellect भी हमारी पहरेदार है।** Negative thoughts के आने पर, उनसे प्यार से कहें– जाइए–जाइए।

सिर्फ और सिर्फ अच्छे विचारों को मेरे मन में आना है।

Once in a two hours यह practice - 40 seconds मात्र करने पर attitude में 3 days में परिवर्तन आने लगेगा और हम महसूस करने लगेंगे कि

अच्छे Views लाएँ तो अच्छी News आएँ।

God, Please listen to our True PRAYER
to make us Pure, Sure & More AWARE
God, Please bless us right now & HERE
Lest we become victims of Greed & DESPAIR

God, Please make us realise and open our Real EYES
to make us truly Loving & Practically WISE
we must understand our Real worth & ANALYSE
& create relations which are Long Lasting, Real & NICE

MISSION HAPPINESS #9837032053 website : www.missionhappiness.in email : missionhappiness29@yahoo.com